Dainik Jagran - New Delhi- 08 - 02 - 2011

सॉफ्ट स्किल्स का है जमाना

आपके सामने जो टारगेट हैं, उन्हें अचीव करने के लिए आप क्या मॉड्यूल बनाते हैं, यह भी आपकी सॉफ्ट स्किल्स में आता है। व्यवहारकुशलता आपको बेहतर बनाएगी। आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कान खिली रहे तो इसका फायदा भी आपको जरूर मिलेगा।

कैसे करें इंप्रूव

अनुभूति एक बहुत बड़ा फैक्टर है। अगर आप जरूरत को समझ जाते हैं तो अपनी आदतों में सुधार करने की सोच सकते हैं। करियर कांउसलर गीतांजलि कुमार कहती हैं, 'सॉफ्ट स्किल्स डेवलप करने के लिए हमें अपनी समस्या की अनुभूति करनी होगी। हमें पावर मॉडल प्रयोग करना होगा। पहले समस्या समझें, फिर विकल्प तलाशें, उनको नापें, तौलें और फिर उनमें से किसी एक का चयन करें। उसे अपने ऊपर प्रयोग करें और देखें कि उससे आपको क्या फायदा हुआ है। अगर ठीक लगता है तो उसे अपनी आदत में शुमार करें, नहीं तो दूसरा विकल्प उपयोग करें।'

GROOMING

इसी से संबंधित एक कहानी सुनाती हैं गीतांजलि। एक बच्चे ने मेले में जाने की जिद की। पिता उसे ले गए। बच्चा कहने लगा 'पापा मैं बोर हो रहा हूं।' पापा ने कहा तुम्हीं ने तो यहां आने की जिद की थी, अब क्या हुआ? बच्चे ने कहा, मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा। पिता ने बच्चे की समस्या की अनुभूति की और उसे अपने कंधे पर बिठा लिया। वह कहती हैं, 'पिता ने समस्या की अनुभूति की, विकल्प ढूंढे और समाधान भी पा लिया।'

व्यक्तित्व में हों ये बातें

आपकी शैक्षिक योग्यता तभी रंग लाएगी, जब आपमें जीवन कौशल की क्षमता होगी। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं, टाइम मैनेज करें, आशावादी सोच के साथ टीम प्लेयर बनें, अपने सहयोगी के दर्द को भी समझें, सीखने की इच्छा रखें, भरोसेमंद बनें, सेल्फ मोटिवेटेड रहें। गीतांजलि का मानना है कि आत्मबोध करते रहना बेहद जरूरी है। अपने प्रति जागरूक रहें, आत्मज्ञान पर ध्यान दें। प्रेक्टिस करेंगे, तो इम्प्रूव कर लेंगे। वह कहती है 'आमतौर पर अच्छा बोल पाने को सॉफ्ट स्किल्स में गिना जाता है, लेकिन सुनना भी कला है। हालात को समझते हुए सही फैसला ले पाना भी महत्वपूर्ण है। इमोशंस को भी मैनेज करना जरूरी है। कई बार वर्कप्लेस पर प्रतिक्रिया देने पर वर्किंग रिलेशनशिप खराब हो जाती है। उल्लास और गुस्सा, दोनों मोर्चों पर संतुलन जरूरी है।'

क्या मिलेंगे फायदे

आजकल जॉब मार्केट में सॉफ्ट स्किल्स की काफी डिमांड है। आपके इंटरव्यू में ही आपको परख लिया जाएगा और उसके हिसाब से ही आपको ऑफर मिलेगा। एक सर्वे बताता है कि 95 प्रतिशत लोग मानते हैं कि वे नौकरी देते समय सॉफ्ट स्किल्स को एकेडेमिक्स से ज्यादा महत्व देते हैं। वर्कप्लेस पर भी आपको आपकी ये खूबियां एक अलग स्थान दिलाएंगी।

यशा माथुर